क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 24, शनिवार, 16 फरवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

पुलवामा हमला : बेटे की शहादत पर छलका मां का दर्द, 'अभी तो नई साड़ी देकर गया था, मैं कैसे जियूंगी'

आगरा. जम्मू कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में अब तक 44 जवानों के शहीद होने की पुष्टि हुई है. इन शहीदों में आगरा का लाल कौशल कुमार रावत भी शहीद हो गया है. कौशल कुमार रावत की शहादत की खबर सुनने के बाद उनके पैतृक घर में मातम फैला हुआ है. वृद्ध मां और पिता का रो-रोकर बुरा हाल है.

कुछ ही दिनों पहले तो नई साड़ी लाया था.

कौशल की मां का कहना है कि वह तीन दिन पहले ही छुट्टियां खत्म होने के बाद ड्यूटी पर गए थे. कौशल की मां का कहना है कि वह कुछ ही दिनों पहले तो गांव आया था, नई साड़ी भी लाया था, अब मैं उसके बिना कैसे जियूंगी.

1991 में सीआरपीएफ में हुए थे शामिल

शहीद कौशल कुमार रावत थाना ताजगंज कहरई गांव के निवासी थे. 47 वर्षीय कौशल कुमार रावत 1991 में सीआरपीएफ में भर्ती हुए थे. उनके दो बेटे और एक बेटी है. बेटी की शादी हो चुकी है, पत्नी ममता और छोटे बेटे विशाल के साथ कौशल कुमार रावत गुड़गांव में रहते थे. जनवरी के अंत में कौशल का तबादला सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) से जम्मू कश्मीर हुआ था. वह ट्रांसफर के बाद 15 दिन की छुट्टी काटकर गुड़गांव से 12 फरवरी को नई ज्वानिंग के लिए रवाना हुए थे.

कुछ ही देर पहले हुई थी भाई से बात

शहीद के भाई कमल किशोर ने बताया कि बुधवार शाम को उसकी बात भाई कौशल कुमार रावत से हुई थी, तब उन्होंने कहा था कि मैं रास्ते में हूं अभी अपने ज्वाइंन प्वाइंट पर नहीं पहुंचा हूं. क्योंकि आगे बर्फबारी हो रही है इसलिए गाड़ियों को रोक दिया है वैसे सब ठीक-ठाक है. गुरुवार शाम 7:30 उन्हें भाई कौशल कुमार रावत की शहादत की खबर मिली.

परिवार के 20 लोग कर चुके हैं देश की सेवा

शहीद कौशल के परिवार के 20 लोग सीआरपीएफ और सेना में रहे है. गांव वालों को देश का बेटा जाने का जहां दुख है वही वो गौरव भी महसूस कर रहे है कि उनके गांव में ऐसे वीर शहीद ने जन्म लिया.

पुलवामा हमले से कुछ समय पहले जवान ने कहा था 'पैसों के लिए नहीं करते नौकरी'

जयपुर.

पुलवामा में गुरुवार को सीआरपीएफ जवानों पर हुए आतंकी हमले में शहीद हुए राजस्थान के नारायण लाल गुर्जर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है. नारायण लाल गुर्जर ने यह वीडियो अपनी ड्यूटी वापस ज्वाइन करने से पहले बनाया था. अपने इस वीडियो में वह सैनिकों को परेशान करने वाले या यूं कहें कि आतंकवादियों की ओर इशारा कर रहे हैं और जनता से अपील कर रहे हैं कि वो इस तरह से सैनिकों को परेशान करने वाले लोगों को सबक सिखाएं. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में नारायण लाल गुर्जर कह रहे हैं, कुछ लोग मेरा सुख-चैन छीनने की कोशिश कर रहे हैं. इसलिए मैं से अनुरोध कर रहा हूं कि जिस तरह हम उग्रवादियों से जूझ रहे हैं उस तरह से आप भी उन लोगों को ढूंढिए. उन्होंने आगे कहा, पिछले तीन सालों से हमने अपने अपने कई साथियों को खोया.

उन्होंने कहा, सभी देशवासी जानते हैं कि हम यहां क्यों काम कर रहे हैं. अगर आपको लगता है कि हम यह पैसों के लिए कर रहे हैं तो भी आप खुद से यह सवाल कीजिए और हमारे साथ उन लोगों को खोजने में मदद करीए. अपने बारे में बात करते हुए नारायण बोले, मैं पिछले 15 सालों से सैना में हूं जिसमें से मेरे 9 साल जम्मू कश्मीर में ही बीते. उन्होंने कहा, यह हमारी ड्यूटी है, हमारा काम है. इससे मैं परेशान नहीं हूं लेकिन कुछ लोग मेरा सुख-चैन छीनने की कोशिश कर रहे हैं.

आपको बता दें, गुरुवार को हुए इस हमले में केंद्रीय आरक्षित पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 44 से ज्यादा जवान शहीद हो गए. कई अन्य घायल हुए हैं.

पुलवामा आतंकी हमले में उत्तर प्रदेश के 12 जवान शहीद, सरकार ने की 25 लाख मुआवजे की घोषणा

शहीदों के परिजनों को 25-25 लाख अनुग्रह राशि और परिवार के एक व्यक्ति को राज्य सरकार की ओर से नौकरी और जवानों के पैतृक गांव के संपर्क मार्ग का नामकरण जवानों के नाम पर किए जाने की घोषणा की है.

लखनऊ:

जम्मू कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद 44 जवानों में से 12 जवान उत्तर प्रदेश के हैं, जिनकी शहादत की खबर सुनने के बाद शहीदों के घरों में मातम पसरा हुआ है. परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. बिहार के भागलपुर के रतन ठाकुर भी इस हमले में शहीद हो गए है. बेटे की शहादत की खबर मिलते ही पूरे इलाके में शोक की लहर है. वहीं आतंकी हमले में शहीद हुए सभी जवानों और उनके परिजनों की स्थिति के प्रति दुख जताते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है और शहीदों के परिजनों को 25-25 लाख अनुग्रह राशि और परिवार के एक व्यक्ति को राज्य सरकार की ओर से नौकरी और जवानों के पैतृक गांव के संपर्क मार्ग का नामकरण जवानों के नाम पर किए जाने की घोषणा की है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आतंकवादी हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के वीर जवानों की शहादत को शत-शत नमन करते हुए उनके परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि 'शहीद होने वाले जवानों में उत्तर प्रदेश के 12 जवान हैं जो कि चन्दौली, महराजगंज, शामली, देवरिया, मैनपुरी, वाराणसी, कन्नौज, कानपुर देहात तथा उन्नाव के निवासी हैं. प्रदेश सरकार प्रत्येक शहीद जवान के परिवार को 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि तथा परिवार के एक व्यक्ति को नौकरी देगी.'

गृह विभाग की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक चंदौली के अवधेश कुमार यादव, महाराजगंज के पंकज कुमार त्रिपाठी, शामली के अमित कुमार, शामली के ही प्रदीप कुमार, देवरिया के विजय कुमार मौर्य, मैनपुरी के राम वकील, इलाहाबाद के महेश कुमार, वाराणसी के रमेश यादव, आगरा के कौशल कुमार रावत, कन्नौज के प्रदीप सिंह, कानपुर देहात के श्याम बाबू तथा उन्नाव के अजित कुमार आजाद शामिल हैं. सूचना विभाग की ओर से जारी बयान के अनुसार शहीद जवानों का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ होगा जिसमें प्रदेश के मंत्री, जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहेंगे.

CIC की नियुक्ति की प्रक्रिया मुख्य निर्वाचन आयुक्त सरीखी होनी चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली.

सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) और राज्य सूचना आयोगों (एसआईसी) में रिक्त स्थानों पर नियुक्तियों के बारे में शुक्रवार को विस्तृत निर्देश देते हुये कहा कि इनमें पद रिक्त होने से दो महीने पहले ही उनके लिये नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए.

न्यायमूर्ति एके सीकरी और न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर की पीठ ने कहा कि मुख्य सूचना आयुक्त का पद एक उच्च पद है और इसके लिये नियुक्ति प्रक्रिया मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया जैसी ही होनी चाहिए. न्यायालय ने सीआईसी और राज्य सूचना आयोगों की रिक्तियों पर भी संज्ञान लिया और इन पर छह महीने के भीतर ही नियुक्तियां करने का निर्देश दिया.

सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों पर संज्ञान लेते हुए न्यायालय ने कहा कि सीआईसी में सूचना आयुक्तों के तौर पर नियुक्तियों के लिए केन्द्र नौकरशाहों के अलावा अन्य क्षेत्रों के प्रमुख लोगों के नामों पर भी विचार करे. इससे पहले, शीर्ष अदालत ने केन्द्र से जानना चाहा था कि सूचना आयुक्तों की नियुक्तियों के लिये गठित खोज समिति ने सिर्फ सेवानिवृत्त और पदासीन नौकरशाहों की सूची क्यों तैयार की है.

सरकार ने इस संबंध में न्यायालय को बताया था कि मुख्य सूचना आयुक्त और चार सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की जा चुकी है और अन्य सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है. शीर्ष अदालत आरटीआई कार्यकर्ता अंजली भारद्वाज, कमोडोर लोकेश बत्रा (सेवानिवृत्त) और अमृता जौहरी की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी. याचिकाकर्ताओं ने दावा किया था कि सूचना आयुक्तों के पद रिक्त होने की वजह से केन्द्रीय सूचना आयोग में 23,500 शिकायतें लंबित हैं.

शीर्ष अदालत ने इससे पहले केन्द्र और राज्यों से कहा था कि मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों की नियुक्तियों के मामले में पारदर्शिता बरते और खोज समितियों तथा आवेदकों के विवरण वेबसाइट पर पोस्ट करे. न्यायालय ने महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, केरल, ओडीशा और कर्नाटक से जानना चाहा था कि राज्य सूचना आयोगों में रिक्त स्थानों पर नियुक्ति प्रक्रिया कब तक पूरी हो जाएगी.

शहीदों के परिवार में मातम, पिता ने कहा- 'एक बेटा खोया है, दूसरा भी मां भारती के चरणों में कर देंगे अर्पित'

बेटे की शहादत की खबर से रतन ठाकुर के पिता की आंखें डबडबा गई. उनका कहना है कि हमने भारत मां की सेवा में अपने एक बेटा खोया है. मैं अपने दूसरे बेटे को भी देश की रक्षा के लिए भेजूंगा.

नई दिल्ली . जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 44 जवान शहीद हो गए. अपने बेटों की शहादत की खबर सुनते ही शहीदों के परिवार में मातम पसरा हुआ है. परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. बिहार के भागलपुर के रतन ठाकुर भी इस हमले में शहीद हो गए है. बेटे की शहादत की खबर मिलते ही पूरे इलाके में शोक की लहर है.

बेटे की शहादत की खबर से रतन ठाकुर के पिता की आंखें डबडबा गईं. उनका कहना है कि हमने भारत मां की सेवा में अपने एक बेटा खोया है. मैं अपने दूसरे बेटे को भी देश की रक्षा के लिए भेजूंगा. मैं मां भारती की चरणों में अपने दूसरे बेटे को समर्पित करने के लिए तैयार हूं, लेकिन इस नापाक हरकत के लिए पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब मिलनी चाहिए.

वहीं, पुलवामा हमले में उत्तर प्रदेश के महाराजगंज के रहने वाले सीआरपीएफ जवान पंकज त्रिपाठी भी शहीद हुए हैं. बेटे की शहादत की खबर मिलते ही पूरे गांव का माहौल शोकाकुल हो गया. परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. सांत्वना देने के लिए लोग पहुंच रहे हैं. साथ ही वाराणसी के रमेश यादव भी इस आतंकी हमले में शहीद हुए हैं.

पुलवामा हमला: कुमार विश्वास ने लिखा, 'कंठ में कोई गीला गोला सा अटक रहा है बार बार'

कुमार विश्वास ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट की प्रोफाइल पिक भी बदल दी है. उनकी नई तस्वीर में एक सैनिक सो रहे नागरिक की रक्षा करते हुए दिखाया गया. सैनिक की पीठ पर कई वार हो रहे हैं.

नई दिल्ली:

पुलवामा आतंकी हमले को लेकर पूरे देश में गुस्सा है. दुनियाभर के नेताओं और नामचीन हस्तियों ने इस हमले की निंदा करते हुए शहीद परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है. भारत में भी तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं, बॉलीवुड हस्तियों और खिलाड़ियों ने हमले की निंदा करते हुए आतंक के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है. मशहूर कवि डॉ कुमार विश्वास ने पुलवामा हमले में शहीद जवानों के परिवारों के साथ संवेदना व्यक्त करते हुए मार्मिक पंक्तियां लिखी हैं. कुमार विश्वास की इन लाइनों के पढ़ आपका भी गला रुंध जाएगा.

इसके साथ ही कुमार विश्वास ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट की प्रोफाइल पिक भी बदल दी है. उनकी नई तस्वीर में एक सैनिक सो रहे नागरिक की रक्षा करते हुए दिखाया गया. सैनिक की पीठ पर कई वार हो रहे हैं.

डॉ. कुमार विश्वास ने ट्वीट में लिखा, 'गुस्सा,बेबसी और आंसू हावी हैं नींद पर, कैसी बीत रही होगी उन परिवारों पर ये रात ?, हर तरफ़ दुनिया सोई है पर मेरी नींद मर सी गई हैं !, आंखों में किरचें चुभ रही हैं. हम ही शायद पागल हैं जो संवेदना को इतने गहरे ले बैठते हैं. कंठ में कोई गीला गोला सा अटक रहा है बार बार, ईश्वर तू ही कुछ कर'

इन बॉलीवुड सितारों ने किया ट्वीट

उरी के बाद जम्मू कश्मीर के पुलवामा के अवंतिपोरा में हुए आतंकी हमले को लेकर पूरा बॉलीवुड भी सदमे में है. इस आतंकी हमले पर आर माधवन, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट, सलमान खान, अनुष्का शर्मा, स्वारा भास्कर, अनुपम खेर, वरुण धवन, अर्जुन कपूर, श्रद्धा कपूर, फरहान अख्तर, करण जोहर, सोनम कपूर, आयुष्मान खुराना, विक्की कौशल, अभिषेक बच्चन, तापसी पन्नू, अजय देवगन, जावेद अख्तर, शबाना आजमी और ऋषि कपूर ने अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं ट्विटर पर दी है.

अभिनेता आर माधवन ने ट्वीट करने हुए लिखा- इस घृणित काम के बाद जो लोग इसका जश्न मना रहे हैं उनकी सिर्फ निंदा करना पर्याप्त नहीं है. उनके चेहरे और मुस्कान मिटा दो. बदला लो.

पुलवामा हमला : गुमला के शहीद विजय सोरेन ने किया था पत्नी से एक छोटा घर बनवाने का वादा

गुमला:

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए शहीद जवानों को आज पूरा देश श्रद्धांजलि दे रहा है. वहीं, शहीद जवानों के घरों में चीख पुकार गूंज रही है. शहीद जवानों के मां-पिता की चीख और आंसू से ऐसा माहौल है कि एक पत्थर की आत्मा भी कांप जाए. लेकिन आतंकी घटना के बाद शहीद जवानों के परिवार समेत पूरे देश की जनता में रोष व्याप्त हैं. यहां तक की शहीद जवान के घर वाले खुद इसका बदला लेने के लिए लड़ने की चाहत रखते हैं.

जवानों की शहादत पर केवल शहीद परिवार ही नहीं बल्कि पूरा देश रो रहा है. जहां जवानों की शहादत पर गम का माहौल है. वहीं, लोगों में आतंकियों से बदला लेने का आक्रोश जता रहे हैं. झारखंड के गुमला का बेटा विजय सोरेन भी पुलवामा हमले में शहीद हो चुका है. इस बात की जानकारी जब विजय के परिवार को हुई तो उनके पैरों तले से जमीन खिसक गई.

शहीद विजय सोरेन की मां ने बताया कि उन्हें खबरों से पता चला कि जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमला हुआ है. उन्हें पहले संदेह हुआ था कि विजय भी शायद वहां गया है. लेकिन रात 1.30 बजे उन्हें ऑफिसियल सूचना दी गई तो उनके आखों के आंसू रूक नहीं पाए. परिवार समेत पूरा फरसमां गांव में मातम छा गया. परिवार वालों का कहना है कि एक हफ्ते पहले ही विजय छुट्टी से वापस ड्यूटी पर गया था. उन्हें क्या पता था कि विजय को वह अब कभी नहीं देख पाएंगे.शहीद विजय सोरेन की पत्नी खुद एक कॉस्टेबल हैं. विजय की पत्नी का जहां रो-रो कर बुरा हाल है वहीं, उनके दिल में आतंकियों के प्रति गुस्सा है. वह बार-बार अपने पति का बदला लेने की बात कह रही हैं. उन्होंने कहा कि अगर भारतीय सेना में आतंकियों को मारने के लिए सैनिक कम पर रहे हैं तो पूरा परिवार आतंकियों से लड़ने को तैयार है. विजय की पत्नी ने कहा कि उनके बेटे को फौज में शामिल किया जाए जिससे की वह अपने पिता की शहादत का बदला ले सके.शहीद विजय सोरेन की पत्नी ने बताया कि 8 दिन की छुट्टी में विजय आए थे. उन्होने कहा था कि इस बार 10 दिन की छुट्टी में आऊंगा. साथ ही उन्होंने एक छोटा सा घर बनाने का वादा किया था. उन्होंने कहा था कि घर के टाइल्स पंजाब से लाएंगे और एक छोटा सा घर बनवाएंगे. लेकिन अब उनका घर बनाने का सपना अधुरा रह गया है.शहीद विजय के पांच बच्चे और बच्चियां है. वहीं, बड़े बेटे अरुण ने अब सेना में भर्ती होने का जिद ठान चुका है. उसका कहना है कि पिता के मौत का बदला मैं खुद लूंगा. वह सरकार से आग्रह कर रहा है कि उसे फौज में भर्ती किया जाए जिससे की अपने पिता की शहादत का बदला ले सके. साथ ही किसी और बेटे को पिता खोने की नौबत न आ सके.

फिलहाल पूरा परिवार अब शहीद विजय सोरेन के पार्थिव शरीर के आने का इंतजार कर रहा है. जहां पूरा गांव उनके साथ खड़ा है. वहीं सरकार ने भी शहीद विजय के परिवार को सांत्वना दी है.

'पति की शहादत पर नाज है, लेकिन अब मेरा और मेरी बेटी का क्या होगा'- शहीद की पत्नी

जम्मू के पुलमवा में हुए आतंकी घटना में देवरिया का जवान विजय कुमार मौर्य शहीद हो गए है. जब यह सूचना उनके गांव पहुची तो गांव में मातम फैल गया. लोगों मे इस घटना को लेकर काफी आक्रोश है.

देवरिया:

जम्मू के पुलमवा में हुए आतंकी घटना में देवरिया का जवान विजय कुमार मौर्य शहीद हो गए है. जब यह सूचना उनके गांव पहुची तो गांव में मातम फैल गया. लोगों मे इस घटना को लेकर काफी आक्रोश है.

खून के बदले खून: शहीद के पिता

थाना भटनी के छपिया जयदेव गांव के रहने वाले विजय मौर्य आठ फरवरी को छुट्टी पर गांव आए थे और 9 फरवरी को वापस लौट गए. विजय के पिता को अपने बेटे की शहादत पर गर्व है, लेकिन इस घटना से वह आक्रोशित भी है. उनका कहना है कि खून के बदले खून, पाकिस्तान को उड़ा देना चाहिए.

डेढ़ साल की बेटी का ख्याल कौन रखेगा: पिता

विजय अपने तीन भाइयों में तीसरे नम्बर के थे बड़े भाई गुजरात मे नौकरी करते है जबकि दूसरे नम्बर के पहले ही एक्सपायर हो चुके है. विजय की एक डेढ़ साल की बेटी है. विजय की शहादत के बाद उनके पिता का

सिर फर्क से ऊंचा है, लेकिन वह इस बात से परेशान है कि आखिराक अब उनकी डेढ़ साल की बेटी का क्या होगा. वृद्ध पिता की आंखों में अपनी पोती के भविष्य को लेकर उम्मीदें हैं, लेकिन बेटे की शहादत के बाद वह धूमिल पड़ चुकी हैं.

पत्नी में प्रशासन के खिलाफ गुस्सा

तो वही उनकी पत्नी विजय लक्ष्मी का दर्द छलका है. उनका कहना है उससे पहले भी इनके पति पर हमला हो चुका है, कोई कुछ नहीं करता पहले भी लोग शहीद हुए है और आज भी. शहीद की पत्नी का कहना है कि पति के जाने के बाद उनका और उनकी बेटी का क्या होगा. पाकिस्तान को कुछ भी सजा नही दी जाती है.

संपादकीय

दिल्ली के करोलबाग क्षेत्र के एक होटल में लगी आग की लपटों ने न सिर्फ 17 लोगों की जान ली, बल्कि हमारे सुरक्षा मानकों और व्यवस्थाओं को भी खाक कर दिया। आग की यह घटना अंतिम नहीं है। भविष्य में फिर कहीं न कहीं हमें एक और अग्निकांड से दो-चार होना पड़ेगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि हमने न तो पहले की घटना से कोई सबक सीखा है और अब न दिल्ली की घटना से सीखेंगे। सब चलता है वाली नीति कबाड़ा कर रही है।

आग के धुंए में उड़ गए सुरक्षा मानक

राजधानी दिल्ली में बीते तीन दिन से लगातार आग लगने की एक के बाद एक घटनाएं सामने आ रही हैं। सबसे पहले मंगलवार को करोलबाग के अर्पित पैलेस में आग लगने से 17 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी और इसके बाद बुधवार को पश्चिमपुरी इलाके में 200 से ज्यादा झुग्गियां जलकर खाक हो गई थीं। गुरुवार को नारायणा औद्योगिक क्षेत्र फेस-एक में स्थित फैक्ट्री में भीषण आग लगी। यह एक पेपर कार्ड फैक्ट्री है। राहत की बात यह है कि इसमें किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली। लेकिन सिर्फ यही मानकर चैन से बैठ जाना आने वाली किसी बड़ी आपदा को निमंत्रण देना होगा। माना कि आग लगने पर हमारा नियंत्रण नहीं है, मगर उसे रोकना तो हमारे हाथ में है। राजधानी में एक के बाद एक घटनाओं का सामने आना प्रशासनिक विफलता तो है ही, मानवीयता को भी ताक पर रख देने जैसा भी है। हर आपदा के बाद ही हमारी चिरनिद्रा टूटती है। थोड़ा बहुत हो-हल्ला और इक्का-दुक्का जांच कमेटियों के गठन के बाद फिर सब कुछ पहले की तरह सामान्य हो जाता है। यही वजह है कि एक के बाद मानवजनित आफतें हमारे सिर पर आती रहती हैं और हम बेबस बने सब देखते रहते हैं।

पहले देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के कमला मिल्स कम्पाउंड में स्थित पब, फिर कोलकाता के मेडिकल कॉलेज व अब राष्ट्रीय राजधानी अर्पित पैलेस होटल में हुए भीषण अग्निकांड इसकी चंद नजीरें मात्र हैं। इन सभी घटनाओं में आग से सुरक्षा मानकों की अनदेखी समान कारक रहे हैं। इसके बावजूद दिल दहला देने वाली इन घटनाओं पर काबू पाने में हम नाकाम साबित हो रहे हैं। दिल्ली के करोल बाग स्थित होटल अर्पित पैलेस में हुए अग्निकांड में 17 लोगों की असमय मौत हो गई। इसने एक बार फिर होटलों, रेस्टोरेंट और कार्यालयों समेत तमाम व्यावसायिक भवनों में अग्निशमन के लिए किए गए उपायों की कलई खोल कर रख दी है। जब राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का यह हाल है तो देश के दीगर छोटे-बड़े शहरों की इमारतों का अंदाजा बखूबी लगाया जा सकता है। हर बार की तरह होटल अर्पित पैलेस अग्निकांड पर भी राजनीति और आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है।

दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा न हासिल होने के कारण राजनेताओं के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार ठहराना और आसान हो जाता है। यही वजह है कि घटना के तुरंत बाद पहले दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन और फिर स्वयं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसके लिए भाजपा नीत उत्तरी नगर निगम पर दोषारोपण किया है। जबकि ऐसा कहते हुए वे यह भूल गए कि आग पर काबू पाने के लिए किए जाने वाले बंदोबस्त पर एनओसी देने का काम दिल्ली फायर सर्विस का है और यह विभाग उनके अधीन ही है। अग्निकांड की असल वजह क्या रही? इसका खुलासा तो जांच के बाद ही हो सकेगा लेकिन प्रथम दृष्टया इसमें होटल प्रबंधन पूरी तरह दोषी नजर आता है। होटल को नगर निगम द्वारा महज चार मंजिला इमारत की अनुमति मिली हुई थी। ऐसे में सवाल यह उठता है कि इसमें दो अतिरिक्त तल (एक पूर्णतः और एक अस्थाई टेरिज) का निर्माण कैसे हुआ? जाहिर है कि ऐसा नगर निगम की मिलीभगत के बिना संभव नहीं हुआ होगा।

प्रारंभिक जांच से यह बात सामने आ चुकी है कि छत पर बने किचन की साज-सज्जा के लिए लकड़ी जैसे ज्वलनशील पदार्थों का जमकर इस्तेमाल हुआ। होटल में आग लगने का कारण भी इसी किचन को माना जा रहा है। यहीं से आग होटल की दीगर मंजिल तक पहुंची। ऐसे में नगर निगम की इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। गौर करने वाली बात यह भी है कि होटल में आग पर काबू पाने लिए किए गए उपाय नाकाफी थे। अगर ऐसा नहीं था तो फिर वॉटर स्प्रिंक्लर या फिर स्मोग डिटेक्टर समय पर चालू क्यों नहीं हुए? ऐसे में यह कहना बेजा न होगा कि होटल में अग्निशमन के लिए लगाए गए यंत्र या तो खराब थे या फिर थे ही नहीं। फिर दिल्ली फायर सर्विस ने इस होटल को अनापत्ति पत्र यानी एनओसी किस आधार पर दिया? अगर एनओसी देते समय दिल्ली फायर सर्विस को अर्पित होटल में आग पर काबू पाने के तमाम बंदोबस्त दुरुस्त लगे तो क्या फिर कभी उनकी दोबारा जांच की गई? दरअसल दिल्ली फायर सर्विस ने होटल को अपनी अंतिम एनओसी 2017 में जारी की है और 2020 इसका अगला नवीनीकरण होना था। इस दौरान तीन साल का अंतराल काफी अधिक होता है। ऐसे में होटल के साथ-साथ दिल्ली फायर सर्विस की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह इस अंतराल में भी समय-समय पर ऐसे व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के सुरक्षा मानकों की जांच करे।

होटल में हुई 17 मौतों में से अधिकतर की जान धुंए के कारण दम घुटने से हुई। इसकी वजह से लोग बेहोश होकर गिर पड़े। यानी लोगों को अपनी जान बचाने के लिए जद्दोजहद करने का भी मौका नसीब नहीं हुआ। चूंकि आग सुबह तीन-चार बजे के दरमियान लगी, इसलिए नींद में होने से जब तक वह कुछ समझ पाते तब तक काफी देर हो चुकी थी। फिर होटल में आपातकालीन द्वार से बाहर निकलने की लचर व्यवस्था और खिड़कियों के खुलने में हो रही परेशानी लोगों को आग व धुंए के बीच लाचार कर दिया। दिल्ली फायर सर्विस को एनओसी जारी करते हुए इन मानकों पर भी ध्यान देना चाहिए। असल में अग्निशमन विभाग ऐसे प्रतिष्ठानों को एनओसी जारी करते हुए केवल यंत्रों पर अधिक ध्यान देते हैं। जबकि उन्हें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि इन यंत्रों को ठीक तरह से काम करते रहने, आपदा के समय उन्हें सक्रिय करने और लोगों को आग से बचाने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त पर्याप्त स्टाफ है कि नहीं? अगर यह सभी यंत्र समय रहते नहीं चल सके तो फिर क्या इन्हें महज दिखावे के लिए या एनओसी हासिल करने के लिए लगवाया जाता है? व्यवस्था बनाने वालों को एक दूसरे पर आरोप मढ़ने के बजाए इन पर ध्यान देना होगा तभी इस तरह के हादसों पर काबू पाना मुमकिन हो सकेगा।

करोलबाग कांड ने सालों पहले दिल्ली में सबसे दर्दनाक अग्निकांड 'उपहार सिनेमा' के जख्म ताजे कर दिए। कमोबेश मौजूदा घटना भी कुछ उसी अंदाज में घटी। जो खामियां उपहार कांड के वक्त देखने को मिलीं, वैसे ही अर्पित होटल में लगी आग के दौरान सामने आईं। दोनों घटनाएं घोर लापरवाही के चलते घटीं। इस सच्चाई की एक बार फिर पुष्टि हो गई है कि अग्निकांड की ज्यादातर घटनाएं इंसानी हिमाकत के चलते होती हैं। सिलसिला जारी है कि आग लगने के संभावित स्थानों पर असावधानी और लापरवाही का खामियाजा दूसरे बेकसूर लोगों को भुगतना पड़ता है। मारे गए लोगों के परिजनों को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पांच-पांच लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया है। मुआवजा इस दर्दनाक घटना के जख्म पर मरहम लगाने का विकल्प नहीं हो सकता है। दोषियों को कड़ी सजा देने की दरकार है ताकि दूसरे होटल मालिक सबक ले सकें। दिल्ली की तरह देश के विभिन्न जगहों पर कई अग्निकांड हो चुके हैं, जिनमें सैकड़ों नागरिक मारे गए।

घटना के बाद जनाक्रोश को शांत करने और एतिहातन खानापूर्ति के लिए सरकार की ओर से तमाम सर्तकता और बचाव के तरीके बताए जाते हैं। लेकिन जैसे ही घटना की तपिश कम होती है जिंदगी फिर उसी मोड़ पर कराहने के लिए छोड़ दी जाती है। करोलबाग की घटना ने फिर सरकार की कलई खोलकर रख दी है। बड़ी घटनाओं को सदैव एक घटना मानकर नहीं भुलाया जाए, बल्कि उनसे सीख ली जाए कि यदि वह हमारे साथ दोबारा घटित होती है तो हम उससे कैसे बचें। दिल्ली जैसी घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए पुख्ता इंजताम करने की दरकार है। अगर एक मुकम्मल नीति बने, तो शायद बदलाव दिख जाए।

मोहम्मद शहजाद
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

आतंकी हमले से गुस्से में है देश

पाक में बैठे आतंकियों के इशारे पर हुए आतंकी हमले ने फिर साबित कर दिया है कि पड़ोसी मुल्क अपनी नापाक हरकतों से मानने वाला नहीं है। 2016 में उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक कर पाक को मुंहतोड़ जवाब दे दिया गया था, पर असर होता नहीं दिखा है।

जम्मू-कश्मीर में जारी ऑपरेशन ऑलआउट और सर्जिकल स्ट्राइक के बीच घाटी एक बार फिर से आतंकी हमले से दहल गई। पुलवामा में सीआरपीएफ जवानों की एक बस को आतंकियों ने बारूद से उड़ा दिया। इस हमले में 30 से ज्यादा जवान मारे गए हैं। हमले के बाद कश्मीर से लेकर दिल्ली तक में हड़कंप मच गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल से बात की है और देश को भरोसा दिलाया है कि इस हमले का जवाब दिया जाएगा। आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने इस बड़े हमले की जिम्मेदारी ली है। कहा जा रहा है कि धमाका इतना जबरदस्त था कि बस के परखच्चे उड़ गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जिले के अवंतिपुरा इलाके में श्रीनगर जम्मू राजमार्ग पर यह आईईडी विस्फोट तब हुआ जब जम्मू से श्रीनगर जवानों का काफिला जा रहा था। काफिले में करीब 2500 लोग थे।

यह हमला मोदी सरकार के लिए एक कठिन चुनौती बनकर आया है। ऐन लोकसभा चुनाव से पहले हुए इस हमले के बाद सरकार किस तरह से अपना बचाव करेगी, विपक्ष किस रूप में सरकार पर हमलावर होगा और इस हमले का परिणाम चुनाव में क्या होगा, यह भविष्य तय करेगा, मगर अभी तो इस हमले ने यह सवाल जरूर उठा दिया है कि आखिर घाटी में आतंकवाद का स्थाई इलाज क्यों नहीं ढूंढा जा रहा है। आज सरकार भले ही यह कह रही है कि हमले का जवाब दिया जाएगा, मगर क्या इससे उन परिजनों को अपने वापस मिल जाएंगे, जो हमले में मारे गए हैं। हर आतंकी हमले के बाद जवानों के परिजनों का सरकार से एक ही सवाल होता है कि हमारे घर वाले कब तक मारे जाते रहेंगे, सरकार कब पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देगी। बहरहाल, कश्मीर में सीआरपीएफ के काफिले पर आत्मघाती हमले ने पूरे देश को दहला दिया है। पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के इशारे पर हुए इस हमले ने फिर साबित कर दिया है कि पड़ोसी मुल्क अपनी नापाक हरकतों से मानने वाला नहीं है। 2016 में उरी में हुए हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक कर पाकिस्तान को जरूर मुंहतोड़ जवाब दे दिया गया था, लेकिन असर होता नहीं दिख रहा है।

हालांकि, भाजपा ने कहा है कि आने वाले दिनों में पाकिस्तान का क्या हश्र होने वाला है, इसका उन्हें अंदाजा नहीं है। ऐसे में माना जा रहा कि मोदी सरकार एक बार फिर सर्जिकल स्ट्राइक पार्ट टू के जरिए पड़ोस में पल रहे आतंक के फन को कुचल सकती है। यह हमला सरकार के साथ-साथ सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों की भी बड़ी विफलता के रूप में सामने आया है। हमले के बाद सवाल उठ रहे हैं कि आखिर जवानों को समय रहते आतंकियों की करतूत का पता क्यों नहीं चल पाया। हमले के पीछे जिसकी भी नाकामी हो, मगर अब समय आ गया है कि मोदी सरकार पाक को करारा जवाब दे। पूरे देश की भी यही मंशा है। इस हमले के बाद पूरे देश में गुस्सा है। सरकार को इस गुस्से को नजरंदाज करना भारी पड़ सकता है।

महाकुंभ में मध्यप्रदेश की भागीदारी

प्रयागराज इस समय आनंद में है और आनंद में है समूचा भारतीय समाज क्योंकि 12 वर्षों में एक बार आयोजित होने वाले महाकुंभ में पुण्य प्राप्त किए जाने का यह एक विरला अवसर है। उत्तरप्रदेश सरकार ने भारतीय समाज के इस महाकुंभ को अविस्मरणीय बनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी है। पूरा मेला क्षेत्र दुनियाभर के लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। लोकनीति के तहत अपने दायित्वों की पूर्ति करते हुए मुख्यमंत्री कमलनाथ की पहल पर मध्यप्रदेश के ऐसे 36 सौ यात्रियों को कुंभ में राज्य शासन की ओर से भेजा गया है जो इतने सक्षम नहीं हैं कि स्वयं के आर्थिक स्त्रोतों से कुंभ में स्नान कर सकें। मध्यप्रदेश की तीर्थदर्शन योजना के तहत ही यह व्यवस्था मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देशों पर की गई है। तीर्थदर्शन के लिए जाने वाले यात्रियों का आशीष और उम्मीदों से भरी उनकी आंखें जैसे मध्यप्रदेश की धरती को नमन कर रही हैं।

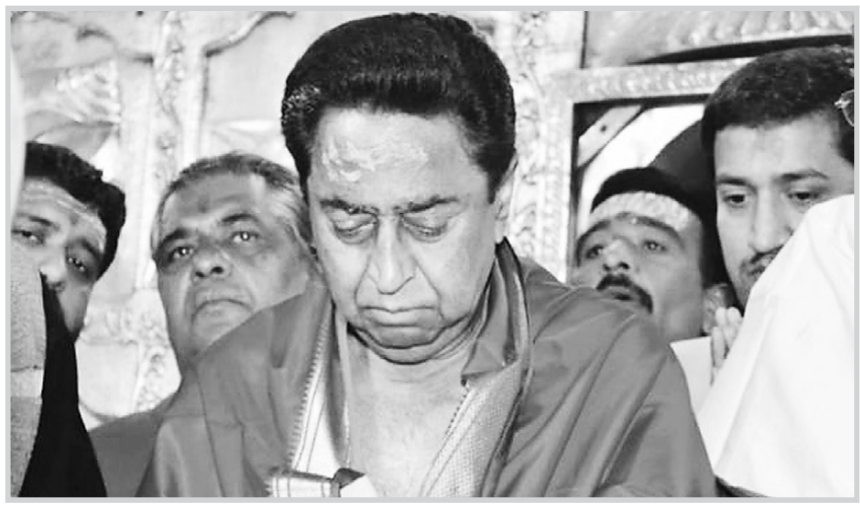

महाकुंभ भारतीय संस्कृति का परिचायक तो है ही, नास्तिक व्यक्ति में भी धर्म के प्रति आदर और आस्था जगाने वाला पुरातन काल से चला आ रहा भव्य आयोजन है। लोकनीति के तहत अपने दायित्वों की पूर्ति करते हुए मुख्यमंत्री कमलनाथ की पहल पर मध्यप्रदेश के ऐसे 36सौ यात्रियों को कुंभ में राज्य शासन की ओर से भेजा गया है और वहां एक से बढ़कर एक व्यवस्थाएं भी की गई हैं।

महाकुंभ भारतीय संस्कृति का परिचायक तो है ही, नास्तिक व्यक्ति में भी धर्म के प्रति आदर व आस्था जगाने वाला पुरातन काल से चला आ रहा एक भव्य आयोजन है। ग्रहों और नक्षत्रों की वैज्ञानिक गणना पर आधारित समय पर कुंभ प्रत्येक छह वर्ष पर तथा 12 वर्ष पर महाकुंभ लगता है। पर्व-त्यौहार व तिथियां हमारी सनातन संस्कृति की पहचान हैं, धरोहर हैं। भारत की सनातन संस्कृति में जल, जंगल और पर्वत सभी पूजित हैं। इनकी रक्षा और इनके सहचर्य में ही मानव जीवन निरोगी, सुखी और मोक्षगामी होता है। प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन के साथ नासिक में कुंभ लगता है। कुंभ मेला किस स्थान पर लगेगा यह ग्रहों की राशि तय करती है। उदाहरण के लिए, निर्धारित नियमों के अनुसार प्रयाग में कुंभ तब लगता है जब माघ अमावस्या के दिन सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में होते हैं और गुरु मेष राशि में होते हैं। इसी तरह अन्य स्थानों पर कुंभ लगने के समय का निर्धारण पूर्ण वैज्ञानिक तरीके से होता है।

कुंभ मेले का हिंदू धर्म में काफी महत्व है। प्राचीन धार्मिक ग्रंथों के मुताबिक कुंभ मेले की कहानी समुद्र मंथन से शुरू होती है, जब देवताओं और असुरों में अमृत को लेकर युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। तब भगवान विष्णु ने मोहिनी का रूप धारण कर अमृत कलश को अपने पास ले लिया और उन्होंने यह कलश इन्द्र के पुत्र जयंत को दिया। जयंत जब अमृत कलश को दानवों से बचाकर भाग रहे थे, तब कलश से अमृत की कुछ बूंदे धरती पर गिर गईं। ये बूंदें चार स्थानों हरिद्वार, प्रयागराज, नासिक और उज्जैन पर गिरीं, वहीं हर 12 साल बाद कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। छह साल बाद लगने वाले मेले को अर्द्ध कुंभ कहते हैं। इस वर्ष मकर संक्रांति के दिन 15 जनवरी से आरंभ होकर चार मार्च तक जारी रहने वाले कुंभ महाआयोजन में देशभर के श्रद्धालुओं के साथ ही विदेशी तीर्थयात्री और पर्यटक भी बड़ी संख्या में प्रयागराज पहुंच रहे हैं। देश-विदेश से आने वाले साधु-संतों के सानिध्य में पुण्य लाभ लेने वालों को अभिभूत होते देखकर लगता है मानो स्वर्ग धरती पर उतर आया है। देश-देशांतर से कुंभ में शामिल होने वालों में सिर्फ हिंदू ही नहीं बल्कि दूसरी जाति और संप्रदाय के लोगों को देखकर इसके महत्व का अंदाजा लगाया जा सकता है। कुंभ एक ऐसा आयोजन है जो धार्मिक एवं पुरातन दृष्टि से तो महत्वपूर्ण है ही बल्कि विश्व में शांति तथा सामाजिक समरसता के लिए भी पहचाना जाता है। विदेशी साधु-संतों का कुंभ में पहुंचना इसका ज्वलंत प्रमाण है। जैसा कि वेदों में सुनिश्चित है, कुंभ का आयोजन प्रयाग के अलावा हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में भी क्रमानुसार होता रहता है।

प्रयागराज के इस कुंभ में जब देश-दुनिया के लोग डुबकी लगाकर आनंद में डूब-उतर रहे हैं, तब ही मध्यप्रदेश के नागरिकों को भी यह सुख पाने का अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री कमलनाथ की पहल पर प्रयागराज कुंभ मेला के लिए 36 सौ तीर्थ-यात्रियों को लेकर मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना के अंतर्गत विशेष ट्रेन रवाना हो चुकी है। हबीबगंज रेलवे स्टेशन से 12 फरवरी को यात्रा की शुरुआत हुई है। बुरहानपुर से 14 फरवरी को भी एक ट्रेन यात्रियों को लेकर गई है। शिवपुरी से 22 फरवरी और परासिया से 24 फरवरी को कुंभ मेला के लिए विशेष ट्रेन रवाना होंगी। इनमें भोपाल, विदिशा, सागर, दमोह, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, जबलपुर और परासिया, शिवपुरी, अशोकनगर, गुना, इटारसी, कटनी, नरसिंहपुर के तीर्थ-यात्री शामिल होंगे। प्रत्येक ट्रेन में तीर्थ-यात्रियों की देख-रेख के लिए दस-दस सुरक्षाकर्मी साथ रहेंगे। यात्रा पांच दिन की होगी। यात्रियों के लिए भोजन, चाय, नाश्ता, रुकने की व्यवस्था और तीर्थ-स्थल तक बसों से ले जाने और लाने के लिए गाइड की व्यवस्था रहेगी। प्रयागराज महाकुंभ में मप्र शासन की सक्रिय भागीदारी इस बात का प्रतीक है कि महाकुंभ राज्य एवं दलों की सीमा के पार भारत देश का उत्सव है।

उल्लेखनीय है कि मोक्षदायिनी गंगा में स्नान और दान का आध्यात्मिक महत्व वेद-पुराणों में मिलता है। भारत के इतिहास में प्रयाग का महत्वपूर्ण स्थान है। रामायण, महाभारत, विविध पुराणों तथा काव्य ग्रंथों में इसका आदरपूर्वक उल्लेख हुआ है। पावन नगरी प्रयाग में पुण्य सलिला गंगा के तट पर आयोजित कुंभ में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगभग सात करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इसके अलावा शाही स्नान में लगभग एक लाख साधु-संत भाग लेंगे। स्मरण रहे कि कुंभ हमारी धार्मिक एवं आध्यात्मिक चेतना का महापर्व है। सनातन काल से यह संसार का सबसे बड़ा मेला कहा जा सकता है। कुंभ में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह सचमुच जीवन का अद्भुत और अनूठा अनुभव है। गरिमा की बात यह है कि कुंभ महापर्व में विश्वभर से धर्मप्रेमी आ रहे हैं। इसके आयोजन का एक उद्देश्य मानव कल्याण और विश्व शांति भी है। कुंभ के दौरान दुनिया भर के लोगों का साथ बैठना सामाजिक, आर्थिक धार्मिक तथा आध्यात्मिक विषयों पर पंथ निरपेक्ष एवं तटस्थ होकर विचार मंथन करने से सारे संसार के लिए अमृत निकल सकता है।

कुंभ का आयोजन भारतीयों के लिए धार्मिक संस्कार व सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन भर नहीं, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और संसार को भारतीय मनीषियों के त्याग, तपस्या और बलिदान से परिचित कराने का अद्भुत अवसर भी है। दुनिया भर के करोड़ों लोगों का कुंभ की ओर खींचे चले आना इसी सत्य को प्रतिध्वनित करता है। शास्त्रों में कहा गया है कि 'माघे वृष गते जीवे मकरे चंद्र भाष्करौ, अमवस्यां तदा कुंभ प्रयागे तीर्थ नायके।' यानी माघ का महीना और गुरु, वृष राशि पर होते हैं। सूर्य और चंद्रमा मकर राशि में होते हैं और अमावस्या होती है तब प्रयागराज तीर्थ में कुंभ पर्व पड़ता है। उल्लेखनीय है कि प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन व नासिक इन चारों स्थान पर प्रति बारहवें वर्ष कुंभ महापर्व का आयोजन होता है। शास्त्रीय और खगोलीय गणनाओं के अनुसार कुंभ की शुरुआत मकर संक्रांति के दिन से होती है और कई दिनों तक जारी रहती है। शास्त्रों के अनुसार यह दिन मांगलिक होता है और ऐसी मान्यता है कि इस दिन पृथ्वी से उच्च लोकों के द्वार खुलते हैं और कुंभ में स्नान करने से आत्मा को जीवन-मरण के बंधन से मुक्ति मिल जाती है।

मध्यप्रदेश सरकार का प्रदेश के नागरिकों को कुंभ ले जाने का फैसला बेहद सराहनीय है। यह फैसला साबित करता है कि सरकार न सिर्फ प्रशासनिक बल्कि आध्यात्मिक मोर्चे पर भी अग्रणी रहने वाली है। सरकार ने पूर्व की भाजपा सरकार की तीर्थ दर्शन योजना को जारी रखने के ऐलान से ही यह साफ कर दिया था कि वह ऐसा कोई काम नहीं करेगी जो लोगों की भावना को आहत करने वाली हो। कुंभ में प्रदेश के लोगों को भेजने का फैसला और वहां कदम-कदम पर व्यवस्थाएं करना बताता है कि कमलनाथ सरकार को न सिर्फ प्रदेश में बल्कि उन जगहों पर भी अपने लोगों की चिंता है, जहां वे रह रहे हैं या फिर भेजे गए हैं।

निलय श्रीवास्तव
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

हमले के बाद सरकार की स्थिति पर पूरी नजर है। धैर्य रखिए, इस हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। पाक ने सिर्फ कश्मीर नहीं पूरे देश पर हमला किया है।

राजनाथ सिंह, गृहमंत्री

भारत की सरकार और भारत की जनता को पाकिस्तान ने ललकारा है। आने वाले दिनों में पाकिस्तान का क्या हश्र होने वाला है, इसका उन्हें जरा सा भी अंदाजा नहीं है।

संबित पात्रा, भाजपा प्रवक्ता

सत्यार्थ

प्रलोभन से बचकर रहें

एक बार एक राजा ने ढिंढोरा पिटवाया कि अमुक दिन शाम को जो मुझसे मिलने आएगा, उसे मैं अपने राज्य का एक हिस्सा दूंगा। तब प्रधानमंत्री ने कहा- महाराज, आपसे मिलने तो बहुत सारे लोग आएंगे और यदि सभी को उनका भाग देंगे, तो राज्य के टुकड़े-टुकड़े हो जाएंगे। राजा ने कहा प्रधानमंत्री जी, आप चिंता न करें, बस देखते रहें, क्या होता है। निश्चित दिन ही राजमहल के बगीचे में राजा ने एक विशाल मेले का आयोजन किया। मेले में नाच-गाने और शराब की महफिल जमी थी, खाने के लिए कई तरह के स्वादिष्ट पदार्थ थे। मेले में कई खेल भी हो रहे थे। राजा से मिलने आने वाले कई लोग नाच-गाने में अटक गए, कई सुरा-सुंदरी में व कई खेलों में मशगूल हो गए तथा कई खाने-पीने, घूमने-फिरने के आनंद में डूब गए। इस तरह समय बीतने लगा, पर इन सभी के बीच एक व्यक्ति ऐसा भी था, जिसने किसी चीज की तरफ देखा भी नहीं, क्योंकि उसके मन में यही चल रहा था कि उसे राजा से मिलना ही है। इसीलिए वह बगीचा पार करके राजमहल के दरवाजे पर पहुंच गया। मगर वहां खुली तलवार लेकर दो चौकीदार खड़े थे। उन्होंने उसे रोका। लेकिन वह अनदेखा करके और चौकीदारों को धक्का मारते हुए महल में चला गया, क्योंकि वह निश्चित समय पर राजा से मिलना चाहता था। जैसे ही वह अंदर पहुंचा, राजा उसे सामने ही मिल गए और उन्होंने कहा- मेरे राज्य में कोई व्यक्ति तो ऐसा निकला है, जो किसी प्रलोभन में फंसे बिना ही अपने ध्येय तक पहुंच सका। तुम्हें मैं आधा नहीं पूरा राजपाट दूंगा। तुम मेरे उत्तराधिकारी बनोगे। मतलब, सफल वही व्यक्ति होता है, जो अपने लक्ष्य के रास्ते में आने वाली सभी कठिनाइयों को पार करता जाता है।

राधा नाचीज

प्रधानमंत्री ने हाई स्पीड ट्रेन 'वंदे भारत एक्सप्रेस' को दिखायी हरी झंडी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पुलवामा आतंकवादी हमलों की पृष्ठभूमि में गमगीन माहौल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की पहली सेमी हाई स्पीड ट्रेन 'वंदे भारत एक्सप्रेस' को शुक्रवार नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखायी। इस अवसर पर रेल मंत्री पीयूष गोयल और रेलवे बोर्ड के सदस्य उपस्थित थे और वे भी ट्रेन के उद्घाटन सफर का हिस्सा बने। प्रधानमंत्री ने कहा, ''दिल्ली से वाराणसी की अपनी पहली यात्रा पर आज रवाना हुई वंदे भारत एक्सप्रेस के डिजाइनरों और इंजीनियरों का मैं आभारी हूं। पिछले साढ़े चार साल में अपनी ईमानदारी और कड़ी मेहनत से हमने रेलवे को सुधारने का प्रयास किया है।''यह ट्रेन दिल्ली से वाराणसी का सफर नौ घंटे और 45 मिनट में पूरा करेगी। इसमें कानपुर और इलाहाबाद में 40-40 मिनट का ठहराव का समय भी शामिल है, जहां विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे।

प्रधानमंत्री ने ट्रेन का जायजा लिया और कहा कि उन्हें गर्व महसूस हो रहा है कि चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में 18 महीने में इस तरह की ट्रेन का स्वदेशी रूप से निर्माण किया गया। सेमी हाई स्पीड 'ट्रेन 18' का नाम हाल में 'वंदे भारत एक्सप्रेस' रखा गया। यह ट्रेन 160 किलोमीटर प्रतिघंटे की अधिकतम रफ्तार से चल सकती है और इसमें शताब्दी ट्रेनों जैसी यात्री श्रेणी लेकिन बेहतर सुविधाएं हैं। इसका उद्देश्य यात्रियों को बिल्कुल नया यात्रा अनुभव प्रदान करना है।ट्रेन के लिये टिकट की बुकिंग शुरू हो गयी है और आम जनता के लिये यह ट्रेन 17 फरवरी से दिल्ली से वाराणसी के बीच सप्ताह में पांच दिन चला करेगी। इसमें 16 वातानुकूलित कोच हैं जिनमें दो एक्जीक्यूटिव श्रेणी के हैं। ट्रेन में कुल 1,128 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। कोचों और ड्राइविंग कोच में सीटों के नीचे बिजली के सभी उपकरणों को रखने के कारण इस ट्रेन में उतनी संख्या की कोच वाली परंपरागत शताब्दी रेकों से कहीं अधिक सीटें है।

जिलियस साल्यूशंस ने अपनी 80 प्रतिशत हिस्सेदारी इबिक्स इंक को बेची

नयी दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी जिलियस साल्यूशंस ने अपनी 80 प्रतिशत हिस्सेदारी इबिक्स इंक को बेच दी है। कंपनी ने शुक्रवार को जारी बयान में यह जानकारी दी। जिलियस सॉल्यूशंस यात्रा समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी है और देश के कॉरपोरेट यात्रा बाजार में अग्रणी स्थान रखती है। इबिक्स इंक नास्डैक में सूचीबद्ध आन डिमांड साफ्टवेयर और ई कॉमर्स सेवाएं उपलब्ध कराने वाली अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ता है। यह बीमा, वित्तीय, स्वास्थ्य सेवा और ई लर्निंग उद्योग को अपनी भारतीय इकाई इबिक्स साफ्टवेयर इंडिया के जरिये ई कॉमर्स सेवाएं उपलब्ध कराती है।

जिलियस के सह संस्थापक एवं निदेशक हर्ष आजाद ने कहा कि हमारी कंपनी नॉन अलाइन प्रौद्योगिकी मंच का काम करती रहेगी। इबिक्स अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख बाजारों पश्चिम एशिया, अमेरिका, एशिया में इसका प्रसार करती रहेगी। इबिक्स इस सौदे का वित्तपोषण नकद में अपने आंतरिक संसाधनों से करेगी। आजाद ने कहा कि हमने बहुलांश हिस्सेदारी बेचने का फैसला दीर्घावधि की अपनी सोच के मुताबिक किया है। हमारा लक्ष्य वैश्विक स्तर पर अमेरिका, ब्रिटेन, एशिया, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में अपनी पहुंच का विस्तार करना है।

सोने के भाव में 310 रुपये की तेजी, चांदी भी तेजी के साथ चमकी

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार में मजबूत रुख के बीच जौहरियों की मांग बढ़ने से सोने में शुक्रवार को जोरदार तेजी आयी। पीली धातु का भाव दिल्ली सर्राफा बाजार में 310 रुपये उछलकर 34,310 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। आल इंडिया सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार औद्योगिक इकाइयों का उठाव बढ़ने से चांदी की कीमत भी 170 रुपये की तेजी के साथ 40,820 रुपये किलो पर पहुंच गयी।

सर्राफा कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक बाजार में मजबूत रुख के बीच जौहरियों की खुदरा मांग बढ़ने से सोने में तेजी आयी। वैश्विक स्तर पर सोना 0.14 प्रतिशत बढ़कर 1,315.20 डालर औंस रहा। अमेरिका में जारी खुदरा आंकड़ा से वैश्विक नरमी की चिंता बढ़ने से सोने में तेजी आयी। हालांकि चांदी 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 15.67 डालर प्रति औंस रही।

दिल्ली सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत तथा 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 310-310 रुपये मजबूत होकर क्रमश- 34,310 रुपये और 34,160 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले, पिछले चार दिनों में पीली धातु के भाव में 280 रुपये की गिरावट आयी थी। दूसरी तरफ गिन्नी प्रति इकाई आठ ग्राम 26,000 रुपये पर स्थिर रही। सोने के साथ चांदी तैयार का भाव 170 रुपये सुधरकर 40,820 रुपये किलो पर रहा। साप्ताहिक आधार पर डिलिवरी के लिये चांदी की कीमत 94 रुपये मजबूत होकर 39,584 रुपये किलो रही। हालांकि चांदी सिक्के की कीमत लिवाल 80,000 और बिकवाल 81,000 रुपये प्रति 100 इकाई पर स्थिर रही।

टाटा मोटर्स की टिएगो ने दो लाख की बिक्री का आंकड़ा पार किया

नयी दिल्ली। वाहन बनाने वाली घरेलू कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी हैचबैक श्रेणी में शुरूआती कार टिएगो की कुल दो लाख इकाइयों की बिक्री के आंकड़े को पार कर लिया है। कंपनी ने अप्रैल, 2016 में इस कार को पेश किया था। टाटा मोटर्स के यात्री वाहन कारोबार के अध्यक्ष मयंक पारीक ने बयान में कहा, ''अपने उत्पादन के तीसरे साल में होने के बावजूद टिएगो उन कुछ हैचबैक मॉडलों में से एक है जिसकी बुकिंग में अभी भी सकारात्मक वृद्धि बनी हुई है।'' टिएगो पेट्रोल और डीजल दोनों विकल्पों में उपलब्ध है।

इस कार में 1.2 लीटर का पेट्रोल इंजन और 1.0 का डीजल इंजन मिलता है। कार का ऑटोमेटिक वेरिएंट भी उपलब्ध है। टियागो 22 ट्रिम में उपलब्ध है, जिनकी किमत 4.20 लाख रूपए से 6.49 लाख रूपए के बीच है। ये कीमतें एक्स शोरूम दिल्ली के मुताबिक है। जल्द ही टाटा टियागो का फेसलिफ्ट वेरिएंट भी लॉन्च कर सकती है।

विजय माल्या ने प्रत्यपर्ण के खिलाफ अपील दायर करने की अनुमति मांगी

लंदन (एजेंसी)।

भगोड़े शराब व्यवसायी विजय माल्या ने ब्रिटेन के उच्च न्यायालय में आवेदन कर ब्रिटेन के गृह मंत्री द्वारा दिए गए प्रत्यपर्ण आदेश के खिलाफ अपील करने की अनुमति मांगी है. माल्या भारत में बैंकों का अनुमानित 9,000 करोड़ रुपये का ऋण जानबूझ कर नहीं चुकाने के चलते वांछित हैं. ब्रिटेन में माल्या के खिलाफ प्रत्यपर्ण वारंट जारी किया जा चुका है और वह फिलहाल जमानत पर बाहर हैं. उन्होंने गुरुवार को उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायालय विभाग में आवेदन कर अपील करने की अनुमति मांगी है.

आदेश के 10 दिन बाद आई अपील

ब्रिटेन के गृह मंत्री साजिद जाविद ने उनके खिलाफ प्रत्यपर्ण आदेश दिया है और अपील के लिए 14 दिन का समय दिया है. उनकी यह अपील इस आदेश आने के 10 दिन बाद आई है. ब्रिटेन की अदालत के एक प्रतिनिधि ने कहा, 'आवेदन पर निर्णय लेने के लिए इसे एक विशेष न्यायाधीश के पास भेज दिया गया है, इस पर दो से चार हफ्ते के बीच फैसला आने की उम्मीद है.'

अगले कुछ महीनों में सुनवाई की जाएगी

इस मामले में विशेष न्यायाधीश यदि माल्या का आवेदन स्वीकार कर लेते हैं तो फिर अगले कुछ महीनों में इस पर सुनवाई की जाएगी. यदि माल्या का आवेदन खारिज कर दिया जाता है तो उनके पास 'नवीनीकृत फॉर्म' दाखिल करने का विकल्प होगा. नवीनीकरण की प्रक्रिया के दौरान 30 मिनट की मौखिक सुनवाई होगी जिसमें माल्या के वकील और भारत सरकार की ओर से वाद लड़ रही क्राउन प्रोसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) अपील के खिलाफ और पक्ष में अपने दावों को नए सिरे से रखेगी ताकि न्यायाधीश यह निर्णय ले सके कि इस मामले में पूर्ण सुनवाई की जा सकती है या नहीं.

यह प्रक्रिया लंदन में रॉयल कोर्ट ऑफ जस्टिस में होगी. इस प्रक्रिया में कई महीने लग सकते हैं क्योंकि मामले का अदालत की कार्रवाई के लिए सूचीबद्ध होना न्यायाधीशों की उपलब्धता एवं अन्य कारकों पर निर्भर करेगा. हाईकोर्ट के स्तर पर फैसला आने के बाद दोनों पक्षों के पास उच्चतम न्यायालय में अपील दायर करने का हक होगा. इसमें करीब छह हफ्ते का वक्त और लग जाएगा. ब्रिटेन में उच्चतम न्यायालय में अपील दायर करने की प्रक्रिया थोड़ी और जटिल है.

'वंदे भारत' की पहली व्यवसायिक यात्रा के लिए टिकटें पूरी तरह बिकीं

नयी दिल्ली। दिल्ली और वाराणसी के बीच सप्ताह में पांच दिन चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस की पहली व्यवसायिक यात्रा के लिए टिकटें पूरी तरह बिक गयी हैं। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस ट्रेन की पहली यात्रा 17 फरवरी को शुरू होने वाली है। इस ट्रेन के लिए बुकिंग बृहस्पतिवार को शुरू हुयी। रेलवे बोर्ड के सदस्य (यातायात) गिरीश पिल्लै ने कहा कि इस ट्रेन की पहली व्यवसायिक यात्रा 17 फरवरी से शुरू होगी और यह ट्रेन पूरी तरह से बुक हो गयी है। आने-जाने वाली दोनों यात्राओं के लिए टिकटें बृहस्पतिवार को सुबह 11 बजकर 15 मिनट पर ही बुक हो गयी थीं। दिल्ली से वाराणसी का वातानुकूलित कुर्सी यान टिकट 1760 रूपये होगा। एक्सक्यूटिव श्रेणी का टिकट 3310 रूपये है। लौटने में टिकट क्रमशः 1700 और 3260 रूपये के होंगे। दोनों किरायों में कैटरिंग शुल्क शामिल है। कुर्सी यान का किराया शताब्दी ट्रेनों के किराए से 1.4 गुना ज्यादा है। रेल मंत्री पीयूष गोयल उद्घाटन यात्रा में ट्रेन में ही हैं। उन्होंने कहा कि और 30 ऐसी ही ट्रेनों के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। ट्रेन में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए गोयल ने कहा कि ट्रेन 18 से नयी दिल्ली-वाराणसी के बीच यात्रा अवधि में कमी होगी और यह घटकर आठ घंटे रह जाएगी जबकि अन्य ट्रेनों में 13 से 14 घंटे लगते हैं। पिल्लै ने कहा कि दिल्ली-वाराणसी मार्ग (776 किलोमीटर) पर सबसे तेज ट्रेन को 11.5 घंटे लगते हैं जबकि इसे आठ घंटे लगेंगे।

नकदी बढ़ने का मतलब नहीं कि आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ रही हैं: एसबीआई

मुंबई (एजेंसी)।

चलन में मौजूद मुद्रा में बढ़ोतरी का मतलब यह नहीं है कि आर्थिक गतिविधियों में तेजी आई है। यह निष्कर्ष निकालना 'गलत' है। भारतीय स्टेट बैंक की शोध इकाई ने यह बात कही। एसबीआई की आर्थिक शोध शाखा ने कहा कि अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि अर्थव्यवस्था में 20.4 लाख करोड़ रुपये की नकदी है। उन्होंने जोर दिया कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर 'दबाव' जारी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 'चलन में मौजूद मुद्रा (सीआईसी) का उपयोग आर्थिक गतिविधियों में तेजी के प्रमुख संकेतक के रूप में करना गलत है।' उसने कहा कि यात्री वाहन बिक्री, वाणिज्यिक वाहन बिक्री और दोपहिया वाहन बिक्री समेत अन्य प्रमुख सूचकांक के आंकड़े आर्थिक गतिविधियों में गिरावट दर्शा रहे हैं।

एसबीआई की शोध इकाई ने जोर दिया, 'हम विरोधाभास की स्थिति में है, चलन में अधिक मुद्रा होने को आर्थिक गतिविधि में उछाल का संकेत नहीं माना जा सकता। जैसा की दावा किया जा रहा है।'

जीएमआर इंफ्रा को तीसरी तिमाही में 561 करोड़ रुपये का घाटा

हैदराबाद। जीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को 31 दिसंबर को समाप्त तीसरी तिमाही में 561.04 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर अवधि में उसे 578.40 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा था। जीएमआर इंफ्रा ने बृहस्पतिवार रात को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी कुल आय 2,119.87 करोड़ रुपये रही, जो कि एक साल पहले की इसी तिमाही में उसकी आय से कम है। 2017-18 की तीसरी तिमाही में उसकी आय 2,276 करोड़ रुपये थी।

जीएमआर के हवाई अड्डा परिचालन कारोबार की आय तीसरी तिमाही में 1,358.38 करोड़ रुपये रही जबकि बिजली कारोबार से आय 145.74 करोड़ रुपये रही, जो 2017-18 की इसी तिमाही में 430.54 करोड़ रुपये थी। जीएमआर फिलहाल दिल्ली और हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का परिचालन कर रहा है और गोवा में एक हवाई अड्डे के निर्माण कार्य में लगी हुई है।

इंद्र देव के भरोसे है खेती, 60 फीसदी किसानों की आजीविका बारिश पर निर्भर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रिवाइटलाइजिंग रेनफेड एग्रीकल्चर नेटवर्क (आरआरएएन) के राष्ट्रीय समन्वयक सब्यसाची दास ने गुरुवार को कहा कि देश के 60 फीसदी किसान अपनी आजीविका के लिए वर्षा पर निर्भर करते हैं. उन्होंने कहा कि भारत वर्षा आधारित कृषि के रकबे और उपज के मूल्य दोनों मामले में दुनिया में पहले स्थान पर है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के कारण फसल खराब होने से किसानों को प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है.

दास यहां आरआरएएन, राष्ट्रीय वर्षा क्षेत्र प्राधिकरण कृषि, केंद्रीय किसान कल्याण मंत्रालय और राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान के सहयोग से %रिवाइटलाइजिंग रेनफेड एग्रीकल्चर = रिस्ट्रक्रिंग पॉलिसी एंड पब्लिक इन्वेस्टमेंट टू एड्रेस एग्रेरियन क्राइसिस% विषय पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में बोल रहे थे. सम्मेलन में देशभर के 450 से अधिक किसानों, नीति निमार्ताओं, शोधकताओं, शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकताओंने हिस्सा लिया.

विशेषज्ञों ने कहा कि कृषि संकट को दूर करने के लिए बारिश पर निर्भर खेती में बदलाव के लिए व्यापक निवेश और उपयुक्त नीतिगत रूपरेखा तैयार करने की आवश्यकता है, इसमें हमेशा नीतियों व सार्वजनिक निवेश का अभाव रहा है. आयोजक संगठनों ने कहा कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य वर्षा आधारित कृषि से जुड़े विषयों पर आम सहमति के साथ केंद्र व राज्य के स्तर पर नीतियों और कार्यक्रम बनाने की आवश्यकता पर बल देना है.

राष्ट्रीय वर्षा क्षेत्र प्राधिकरण (2012) के अनुसार, भारत में 593 जिलों में से 499 जिलों में बारिश होती है. वर्षा आधारित क्षेत्र खाद्य उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं. देश में 89 फीसदी ज्वार, बाजरा और जौ का उत्पादन बारिश पर ही निर्भर करता है. इसके अलावा दलहनों का 88 फीसदी, कपास 73 फीसदी, तिलहन 69 फीसदी और चावल का 40 फीसदी उत्पादन बारिश पर निर्भर करता है.

आंकड़ों के अनुसार, देश में वर्षा वाले क्षेत्र में मवेशियों की आबादी 64, भेड़ों की 74 फीसदी भेड़ और बकरियों की 78 फीसदी हैं. ये पशु देश में खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं. दास ने बताया कि 2003-2004 और 2012-2013 के बीच चावल और गेहूं की एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर खरीद पर 5,40,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे जबकि वर्षा आधारित उपज जैसे- मोटे अनाज, बाजरा और दालों जैसी फसलों पर इसी अवधि में सरकारी खर्च महज 3,200 करोड़ रुपये हुआ था.

उन्होंने कहा कि वर्ष 2010-2011 और 2013-2014 के बीच उर्वरक सब्सिडी पर खर्च की गई राशि 2,16,400 करोड़ रुपये थी, जबकि इसी अवधि के दौरान वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम पर सिर्फ 65,600 करोड़ रुपये खर्च किए गए.

राहुल गांधी के बाद अब प्रियंका गांधी आएंगी गुजरात

सूरत। दक्षिण गुजरात के वलसाड में राहुल गांधी ने गुरुवार को चुनावी बिगुल फूंक दिया है। राहुल गांधी के बाद अब कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी गुजरात आकर चुनावी रणनीति बनाएंगी। आगामी 26 फरवरी को अहमदाबाद में होनेवाली सीडब्ल्यू की बैठक में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता मौजूद रहेंगे। सीडब्ल्यूसी की बैठक को लेकर गुजरात कांग्रेस ने जोरदार तैयारियां शुरू कर दी हैं। गत अक्टूबर महीने में सीडब्ल्यूसी की बैठक महाराष्ट्र के वर्धा में हुई थी और इस बार इसका आयोजन गुजरात में किया गया है। गुजरात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपाध्यक्ष अमित शाह का गृह राज्य है। जहां राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भाजपा को कड़ी चुनौती देने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रियंका गांधी गुजरात में अपने भाई राहुल गांधी के पार्टी पदाधिकारी के तौर पर मौजूद रहेंगी। कांग्रेस पार्टी ने आक्रामक राजनीतिक शैली अमल करते हुए गुजरात में सीडब्ल्यूसी की बैठक आयोजित करने का फैसला किया है।

शहीदों को श्रद्धाजंलि के बैनरों के साथ निकली रैली

सूरत। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में गुरवार को हुए आतंकी हमले में 42 जवानों की शहादत ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। देशवासी इस घटना के विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं और पाकिस्तान के खिलाफ सक्त से सक्त कार्यवाही करने की मांग कर रहे हैं। स्कूल-कॉलेज समेत कई प्रतिष्ठानों में आतंकी हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के जवानों को श्रद्धाजंलि दी जा रही है। सूरत के एक हीरा व्यापारी ने अपनी पुत्री की आज होनेवाली शादी सादगी से करने का फैसला करते हुए भोजन समारोह समेत अन्य कार्यक्रम रद्द कर दिए और शहीद स्मृति सेवा संस्थान को पांच लाख रुपए और पुलवामा में शहीद हुए जवानों के परिजनों को संयुक्त रूप से ग्यारह लाख रुपए देने का ऐलान किया है।

रुरुल मेट्रो कोर्ट के वकीलो की ओर से भी शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी गई। केन्डल लाइट के द्वारा श्रद्धांजलि दी गई।

आतंकवादी मसूद अजहर का पुतला फूंका

पुलवामा आतंकवादी हमले के विरोध में गुजरात में फूटा गुस्सा

हमले के खिलाफ अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत से लेकर कई शहर व गांवों में लोगों ने विरोध प्रदर्शन किए

अहमदाबाद, १५ फरवरी। जम्मू कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ काफिले पर हुए हमले में ४० से अधिक जवानों के शहीद होने के खिलाफ शुक्रवार को गुजरात भर में लोगों में गुस्सा फूट पड़ा। अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत से लेकर कई शहर व गांवों में लोगों ने जैश ए मुहम्मद के आतंकी मसूद अजहर का पुतला व पाकिस्तान के ध्वज को जलाकर अपनी नाराजगी जताई। सूरत व अहमदाबाद के कपड़ा बाजार में शनिवार को बंद का भी एलान किया गया। विश्व हिंदू परिषद, अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद, हिंदुस्तान निर्माण दल सहित विविध सामाजिक, धार्मिक व व्यापारिक संगठनों ने अपने तरीके से पुलवामा हमले पर रोष जताया। विहिप ने पालडी में जैश ए मुहम्मद के सरगना आतंकी मसूद अजहर का पुतला फूंका। वहीं, एएचपी व हिंदुस्तान निर्माण दल ने टाउन हॉल में पाकिस्तान के ध्वज को जलाकर

विरोध जताया। अहमदाबाद के प्राचीन मस्कती कापड मार्केट महाजन व फेडरेशन ऑफ सूरत टेक्सटाइल्स ट्रेडर्स एसोसिएशन ने शनिवार को बाजार बंद रखकर पुलवामा हमले पर विरोध जताने का फैसला किया है। अहमदाबाद के लाल दरवाजा पर मुस्लिम समुदाय के महिला पुरुषों ने एकत्र होकर मसूद अजहर के चित्र को हाथ में लेकर आतंकी हमले पर विरोध जताया। वहीं, पालनपुर में सैकड़ों युवकों ने पुलवामा हमले के विरोध में ज नआक्रोश रैली निकालकर जि ला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा। रामकथा वाचक संत मोरारी बापू ने कहा कि कश्मीर में आतंकियों ने सेना के जवानों पर कायरतापूर्ण और क्रूरतापूर्ण हमला किया, जिससे सेना के जवान शहीद हुए। एक साधु के नाते उनके प्रति मुझे बहुत पीड़ा है। उन सभी जवानों के प्रति मेरी हृदयपूर्वक श्रद्धांजलि और सलाम। इन शहीदों के परिजनों के प्रति भी हृदय से संवेदना व्यक्त करता हूं। आपदा के इस क्षण में पूरा देश और सभी राजनीतिक पार्टियां एकजुट होकर खड़े रहें और इस मामले पर कोई राज नीति न करें, ऐसी एक साधु के नाते सबसे अपील करता हूं।

समुद्री इलाके, अंतरराष्ट्रीय सीमा पर विशेष चौकसी

अहमदाबाद, १५ फरवरी।

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ जवानों के काफिले पर आतंकवादियों की ओर से हुए हमले की घटना के बाद गुज रात में भी अलर्ट घोषित कर दिया गया है। गुजरात के समुद्री इलाके एवं पाकिस्तान से सटी सीमा पर विशेष चोंकसी बरतने के निर्देष दिए गए हैं। पुलिस महानिर्देशक ने जम्मू एवं कश्मीर की आतंकी घटना से सीआरपीएफ के ४२ जवानों के शहीद होने की घटना का पता चलते ही राज्य के सभी पुलिस अधिक्षकों, पुलिस आयुक्तों को सतर्क रहते हुए संदिग्ध वाहनों पर नजर रखने का निर्देष जारी किया गया है।

राज्यभर में होटलो, रेस्टोरेंट, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं भीड़भाड वाले इलाकों, होस्पिटल, बाजार, सिनेमागृह और मॉल में जांच करने और विशेषकर सैन्य छावनी वाले इलाकों के आसपास गश्त बढाने पर निर्देश दिया गया है।

शहर में प्रवेश करने वाले और निकासी वाले नाकों पर वाहन गश्त करने और इंटेलीज ेंस ब्यूरो को निर्देश देकर इलाके में कोई संदिग्ध हरकत या गतिविधि तो नहीं हो रही हैं उसका पता लगाने को कहा है। आतंकी गतिविधियो और आपराधिक प्रवृत्ति में लिप्त रहने वाले लोगों पर नजर रखने और उनका पता लागने को कहा है। समुद्री इलाके के जि लों में समुद्री क्षेत्र में पेट्रोलिंग बढ़ाने, मरीन पुलिस की मदद से समुद्र के अंदर गश्त बढ़ाने, बंदरगाह पर जांच करने एवं आसपास की वसाहती और होटल व रेस्टोरेंटो में जांच करने के आदेश दिये गए है। वहीं आतंकवादी हमलों शहीद जवानों को मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने सभी कार्यक्रम रद कर दिए थे।

छात्राओं को स्मार्ट गर्ल बनाने के हेतु से कार्यक्रम

अहमदाबाद। अहमदाबाद में शाहीबाग स्थित राजस्थान सेवा समिति सेवा संचालित राजस्थान स्कुल की ओर से भारतीय जैन संगठन (बीजेएस) के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण (स्मार्ट गर्ल) पर वर्कशोप और सेमिनार का आयोजन किया गया। यह वर्कशोप और सेमिनार में कक्षा-९ और ११ की ६० से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। ११ फरवरी के दिन सेशन की शुरुआत सुबह स्पीकर कुशाल जैन के सम्मान के साथ हुई। उसके बाद सुबह १० बजे छात्राओं को चाय और ब्रेकफास्ट की व्यवस्था की गई। सत्र के पहले दिन स्वजागृति, दुरसंचार और संबंद, आरोग्य, स्वरक्षण जैसे विषयो पर चर्चा हुई। लंच के बाद छात्राओं ने आज की महिलाओं के समक्ष चुनौती पर ग्रुप चर्चा में भाग लिया। छात्राओं ने सेमिनार के अगले दिन परफोर्म करने के हेतुसर रोल और स्क्रीप्ट को लेकर भी चर्चा की। सेशन के चलते छात्राओं का आत्मविश्वास बढ़ गया। चाय और लाइट रिफ्रेशमेंट के साथ शांम को यह कार्यक्रम पूर्ण हुआ। अगले दिन सबुह ७.४५ पर ब्रेकफास्ट के साथ फिर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। दुसरे दिन स्पीकर ने पसंदगी और निर्णय, मैत्रि जैसे विषयो को शामिल करते हुए चर्चा की। दोपहर १.३० बजे छात्राओं के लिए लंच का आयोजन किया गया। दो बजे से पेरेन्ट्स सेशन की शुरुआत हुई जिसमें अच्छे पेरेन्ट्स को लेकर टिप्स दिये गए। शांम ४.३० बजे सेशन के अंत में चीफ गेस्ट अहमदाबाद के डीसीपी एन मोमैया, इंग्लीश राष्ट्रभाषा आर्ट्स एन्ड कोमर्स कॉलेज विभाग के हेड राकेश भारद्वाज भी उपस्थित रहे। हमारे इनचार्ज प्रिन्सिपल रिमा शर्मा ने महेमानो का संक्षिप्त में परिचय कराया। इसके अलावा सभी का स्वागत किया। छात्राओं को अपने भाषण से प्रोत्साहित किया। चीफ गेस्ट की ओर से प्रेरणासभर भाषण देने के बाद छात्राओं ने स्पीच की मदद से अपने विचार रखे। ड्रामा और स्पीच की मदद से छात्राओं ने विचार रखे। प्रोग्राम की समाप्ति पेरेन्ट्स के संतोष के साथ हुई। इसमें सुपरवाइजर अरविंद भारद्वाज ने सभी का अभिवादन किया। दो दिन के इस वर्कशोप और सेमिनार का हेतु महिला सशक्तिकरण का रहा। राजस्थान स्कुल की छात्राओं को उनके अधिकार और जिम्मेदारी के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा अपने परिवार, समाज और देश के प्रति अपने अधिकार और जिम्मेदारी के बारे में भी जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम के चलते स्मार्ट आत्मविश्वास से छात्राए भरी हुई दिखी।

गुजरात में न्यूनतम तापमान फिर एकबार गिरने से ठंडी

अहमदाबाद। अहमदाबाद समेत राज्यभर में ठंडी में एकबार फिर बढौतरी हुई है। गुरुवार की तुलना में आज शुक्रवार के दिन न्यूनतम तापमान में एक बार फिर कमी देखी गई। जिसके चलते लोगों ने ठंडी का अनुभव किया। आज राज्य के अधिकांश इलाको में न्यूनतम तापमान में गिरावट देखी गई। अहमदाबाद में न्यूनतम तापमान १३.२ डिग्री दर्ज हुआ। दुसरी ओर डीसा में १२.३, गांधीनगर में १३, दीव में १२.६, नलिया में १२.६ डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया है कि अगले ४८ घंटे के दौरान राज्य के अधिकांश इलाको में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं होगा किन्तु ४८ घंटे के बाद न्यूनतम तापमान में बढौतरी होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया है कि कोई भी तरह की कोल्ड वेव को लेकर चेतावनी नहीं है। आज राज्य में सबसे अधिक ठंडी का अनुभव नलिया में हुआ। ठंडी हवाएं और देश के अन्य इलाको में इन दिनो हुई बारिश की असर भी देखी गई। पहाडी इलाको में विशेषकर हिमाचलप्रदेश और जम्मू-कश्मीर में इन दिनो हिमवर्षा हुई है। कुछ दिन पहले तक अहमदाबाद समेत राज्य के अधिकांश इलाको में कोल्ड वेव की चेतावनी जारी की गई थी। किन्तु अब स्थिति में सुधार हुआ है। जिसके चलते न्यूनतम तापमान में बढौतरी हुई है। मौसम विभाग ने बताया है कि अहमदाबाद में कल शनिवार के दिन न्यूनतम तापमान और अधिक घटक १३ डिग्री रहने की संभावना है। किन्तु आज दोपहर के वक्त लोगों ने गर्मी का अनुभव किया। पंखे और ऐसी का उपयोग भी अधिकांश ऑफिसो में किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक अब अधिक ठंडी नहीं पडेगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**